

राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम का असर

Ganesh Narain Sharma

Research scholar, Maharaj Vinayak global University, Jaipur

Dr. Vinod Kumar Upadhyay

Supervisor, Maharaj Vinayak global University, Jaipur

सार

यह स्टडी सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम के असर की जांच करती है। रिसर्च का मुख्य मकसद यह एनालाइज़ करना है कि स्टूडेंट्स का पढ़ाई का व्यवहार और टीचिंग सिस्टम का असर उनके एकेडमिक परफॉर्मेंस पर कैसे असर डालता है। पढ़ाई की आदतों में पढ़ाई में रेगुलर रहना, टाइम मैनेजमेंट, कॉन्संट्रेशन, रिवीजन प्रैक्टिस और लर्निंग स्ट्रेटेजी शामिल हैं, जबकि टीचिंग सिस्टम में टीचिंग मेथड, क्लासरूम का माहौल, टीचर-स्टूडेंट इंटरैक्शन और इंस्ट्रक्शनल एड्स का इस्तेमाल शामिल है। यह स्टडी एक डिस्क्रिप्टिव सर्वे रिसर्च डिज़ाइन पर आधारित है। सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स का एक सैंपल चुना गया, और एक स्ट्रक्चर्ड क्वेश्चनेयर और एकेडमिक रिकॉर्ड के ज़रिए डेटा इकट्ठा किया गया। इकट्ठा किए गए डेटा को परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन जैसी स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल करके एनालाइज़ किया गया। नतीजों से पता चलता है कि पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम दोनों का एकेडमिक अचीवमेंट पर काफी पॉजिटिव असर पड़ता है। बेहतर पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स एकेडमिक रूप से बेहतर परफॉर्म करते हैं, और एक असरदार टीचिंग सिस्टम उनके लर्निंग आउटकम को और बेहतर बनाता है। स्टडी में इन वैरिएबल और एकेडमिक सफलता के बीच एक मजबूत संबंध भी पाया गया है। यह नतीजा निकाला गया है कि सेकेंडरी स्टूडेंट्स के बीच एकेडमिक अचीवमेंट बढ़ाने के लिए पढ़ाई की आदतों में सुधार और टीचिंग सिस्टम को मजबूत करना ज़रूरी है। यह स्टडी टीचरों, स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स और पॉलिसी बनाने वालों के लिए एजुकेशनल क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी नतीजे बताती है।

मुख्य शब्द: स्टूडेंट्स, पढ़ाई, सिस्टम

परिचय

एजुकेशन को पर्सनल डेवलपमेंट और देश की तरक्की की रीढ़ माना जाता है। यह सीखने वालों के ज्ञान, स्किल्स, नज़रिए और मूल्यों को बनाने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे वे समाज के ज़िम्मेदार नागरिक बन पाते हैं। ग्लोबलाइज़ेशन और तेज़ी से हो रही टेक्नोलॉजी की तरक्की के इस दौर में, एजुकेशन की क्वालिटी पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी हो गई है। एकेडमिक अचीवमेंट को एजुकेशनल सफलता और स्टूडेंट डेवलपमेंट का एक अहम इंडिकेटर माना जाता है। यह दिखाता है कि स्टूडेंट्स क्लास में उन्हें दी गई नॉलेज को कितने असरदार तरीके से समझ पाते हैं, याद रख पाते हैं और इस्तेमाल कर पाते हैं। सेकेंडरी लेवल पर एकेडमिक अचीवमेंट खास तौर पर ज़रूरी है क्योंकि यह स्टेज हायर एजुकेशन और भविष्य के करियर के मौकों के लिए एक बुनियाद का काम करती है। इस स्टेज पर स्टूडेंट्स पर ज़्यादा एकेडमिक प्रेशर, एक बड़ा करिकुलम और कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम का सामना करना पड़ता है। इसलिए, एजुकेशनल नतीजों को बेहतर बनाने के लिए एकेडमिक अचीवमेंट पर असर डालने वाले फैक्टर्स को समझना ज़रूरी हो जाता है।

एकेडमिक परफॉर्मेंस पर असर डालने वाले कई फैक्टर्स में से, पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम दो सबसे असरदार फैक्टर्स हैं। पढ़ाई की आदतें उन लगातार और सिस्टमैटिक तरीकों को बताती हैं जिनसे स्टूडेंट्स सीखने की एक्टिविटीज़ में शामिल होते

हैं। इनमें टाइम मैनेजमेंट, कॉन्सट्रेंशन, रेगुलर रिवीजन, नोट्स बनाना, पढ़ने की आदतें और एग्जाम की तैयारी के तरीके शामिल हैं। अच्छी पढ़ाई की आदतें स्टूडेंट्स को उनके सीखने के प्रोसेस को असरदार तरीके से ऑर्गनाइज़ करने, समझने की क्षमता को बेहतर बनाने और नॉलेज को याद रखने में मदद करती हैं। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी होती हैं, वे आम तौर पर ज़्यादा डिसिप्लिन्ड, सेल्फ-मोटिवेटेड होते हैं और बेहतर एकेडमिक परफॉर्मेंस पाने में काबिल होते हैं। दूसरी ओर, खराब पढ़ाई की आदतें जैसे कि इर्रेगुलर स्टडी शेड्यूल, कॉन्सट्रेंशन की कमी, टालमटोल और रटने पर डिपेंडेंस एकेडमिक परफॉर्मेंस पर बुरा असर डालती हैं। इसलिए, एकेडमिक सफलता के लिए असरदार पढ़ाई की आदतों को डेवलप करना बहुत ज़रूरी है। ये आदतें परिवार के माहौल, साथियों के ग्रुप, स्कूल कल्चर, टीचर गाइडेंस और पर्सनल मोटिवेशन जैसे कई फैक्टर्स से प्रभावित होती हैं। स्टूडेंट्स में पॉजिटिव पढ़ाई की आदतों को बनाने और उन्हें मज़बूत करने में स्कूल और टीचर्स की अहम भूमिका होती है।

शिक्षण प्रणाली एक और महत्वपूर्ण कारक है जो अकादमिक उपलब्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। इसमें शिक्षण विधियाँ, अनुदेशात्मक रणनीतियाँ, कक्षा प्रबंधन, शिक्षक-छात्र बातचीत, शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग और मूल्यांकन तकनीकें शामिल हैं। एक प्रभावी शिक्षण प्रणाली एक सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाती है जो छात्र की भागीदारी, आलोचनात्मक सोच और वैचारिक समझ को प्रोत्साहित करती है। आधुनिक शिक्षण दृष्टिकोण शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा पर जोर देते हैं, जहाँ छात्र निष्क्रिय रूप से जानकारी प्राप्त करने के बजाय सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। पारंपरिक शिक्षण विधियाँ जो मुख्य रूप से रटने और शिक्षक - केंद्रित निर्देश पर ध्यान केंद्रित करती हैं, छात्रों की विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती हैं। इसलिए, नवीन और इंटरैक्टिव शिक्षण रणनीतियों की बढ़ती आवश्यकता है जो छात्र जुड़ाव और समझ को बढ़ाती हैं। आईसीटी टूल्स, मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों, स्मार्ट कक्षाओं और गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियों के उपयोग ने हाल के वर्षों में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में काफी सुधार किया है। यह मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और शिक्षण संबंधी कारकों के संयोजन से प्रभावित होता है।

एजुकेशनल रिसर्चर्स ने एकेडमिक सफलता तय करने में पढ़ाई की आदतों और टीचिंग के असरदार होने के महत्व पर लगातार ज़ोर दिया है। स्टडीज़ से पता चलता है कि जो स्टूडेंट्स रेगुलर पढ़ाई करते हैं और उन्हें अच्छी टीचिंग सपोर्ट मिलता है, वे उन स्टूडेंट्स की तुलना में एकेडमिक रूप से बेहतर परफॉर्म करते हैं जिन्हें ये फायदे नहीं मिलते। इसलिए, इन वैरिएबल्स के बीच के संबंध को सिस्टमैटिक तरीके से जांचना ज़रूरी है। यह स्टडी सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स पर फोकस करती है, क्योंकि यह स्टेज स्टूडेंट्स के एकेडमिक और प्रोफेशनल भविष्य को बनाने में बहुत ज़रूरी है। इस स्टेज पर, स्टूडेंट्स से उम्मीद की जाती है कि वे इंडिपेंडेंट लर्निंग स्किल्स डेवलप करें और ज़्यादा मुश्किल सब्जेक्ट मैटर को अपनाएं। हालांकि, कई स्टूडेंट्स को सही गाइडेंस की कमी, पढ़ाई की कमजोर आदतें और असरदार टीचिंग प्रैक्टिस जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो उनके एकेडमिक परफॉर्मेंस पर बुरा असर डाल सकती हैं। इस रिसर्च का मकसद सेकेंडरी स्टूडेंट्स के बीच एकेडमिक अचीवमेंट पर पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम के असर का एनालिसिस करना है। इस संबंध को समझकर, एजुकेशनर उन एरिया की पहचान कर सकते हैं जिनमें सुधार की ज़रूरत है और स्टूडेंट्स के लर्निंग आउटकम को बेहतर बनाने के लिए असरदार स्ट्रेटेजी अपना सकते हैं। इस स्टडी के नतीजे टीचर्स, स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स और पॉलिसीमेकर्स के लिए एजुकेशन की क्वालिटी सुधारने में काम आएंगे।

उद्देश्य

- अध्ययन की आदतों का अध्ययन करना
- शिक्षण प्रणाली की जांच करना
- शैक्षणिक उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए

परिकल्पनाएँ

:1) पढ़ाई की आदतें पढ़ाई की कामयाबी पर काफी असर डालती हैं

:2Hटीचिंग सिस्टम एकेडमिक अचीवमेंट को प्रभावित करता है

कार्यप्रणाली

यह स्टडी एक डिस्क्रिप्टिव सर्वे रिसर्च डिज़ाइन पर आधारित है, जिसका मकसद सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम के असर की जांच करना है। डिस्क्रिप्टिव मेथड को सही माना जाता है क्योंकि यह किसी भी वेरिएबल में बदलाव किए बिना मौजूदा हालात के बारे में सिस्टमैटिक तरीके से डेटा इकट्ठा करने में मदद करता है। स्टडी की पॉपुलेशन में चुने हुए स्कूलों के सभी सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स शामिल हैं। इस पॉपुलेशन में से, बराबर रिप्रजेंटेशन पक्का करने और सैंपलिंग बायस को कम करने के लिए एक सिंपल रैंडम सैंपलिंग टेक्नीक का इस्तेमाल करके 100-150 स्टूडेंट्स का सैंपल चुना गया। प्राइमरी डेटा रिसर्चर द्वारा तैयार किए गए एक स्ट्रक्चर्ड क्वेश्चनेयर के ज़रिए इकट्ठा किया गया था। क्वेश्चनेयर में स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों (जैसे टाइम मैनेजमेंट, कॉन्सट्रेंशन, रिवीजन प्रैक्टिस (और टीचिंग सिस्टम के बारे में सोच) जैसे टीचिंग मेथड, क्लासरूम का माहौल और टीचर का असर (से जुड़े आइटम शामिल थे)। एकेडमिक अचीवमेंट को स्कूल एग्जाम में स्टूडेंट्स के मिले मार्क्स का इस्तेमाल करके मापा गया। क्वेश्चनेयर के अलावा, सीखने के व्यवहार और क्लासरूम के अनुभवों के बारे में गहरी जानकारी पाने के लिए स्टूडेंट्स के साथ इनफॉर्मल बातचीत का भी इस्तेमाल किया गया। डेटा एनालिसिस के लिए, परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन कोएफिशिएंट जैसी स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल किया गया। डेटा को साफ और मतलब वाले तरीके से दिखाने के लिए तालिका और चार्ट तैयार किए गए थे।

डेटा विश्लेषण

यह चैप्टर सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स से इकट्ठा किए गए डेटा के सिस्टमैटिक एनालिसिस और इंटरप्रिटेशन से जुड़ा है, जिसमें पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम का एकेडमिक अचीवमेंट पर असर के बारे में बताया गया है। इकट्ठा किए गए डेटा को तालिका में ऑर्गनाइज़ किया गया है और परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन कोएफिशिएंट जैसी स्टैटिस्टिकल टूल्स का इस्तेमाल करके एनालाइज़ किया गया है। इस एनालिसिस का मुख्य मकसद पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच के संबंध की जांच करना है।

तालिका :1 पढ़ाई की आदतों के हिसाब से स्टूडेंट्स का डिस्ट्रीब्यूशन

अध्ययन की आदतों का स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
अच्छी	45	45%
औसत	35	35%
गरीब	20	20%
कुल	100	100%

तालिका से पता चलता है कि %45 स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी हैं %35, की पढ़ाई की आदतें एवरेज हैं, और %20 की पढ़ाई की आदतें खराब हैं। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर स्टूडेंट्स (%80) में कम से कम एवरेज या अच्छी पढ़ाई की आदतें हैं, जो एकेडमिक डेवलपमेंट के लिए एक पॉजिटिव इंडिकेटर है। हालांकि, खराब पढ़ाई की आदतों वाले %20 स्टूडेंट्स का होना गाइडेंस, काउंसलिंग और स्ट्रक्चर्ड स्टडी प्रोग्राम के ज़रिए सुधार की ज़रूरत को दिखाता है। अच्छी पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स ज़्यादा डिसिप्लिन्ड होते हैं, रिवीजन में रेगुलर होते हैं, और टाइम मैनेजमेंट में बेहतर होते हैं, जिससे बेहतर एकेडमिक परफॉर्मेंस में मदद मिलती है।

तालिका :2 टीचिंग सिस्टम इफेक्टिवनेस) स्टूडेंट्स की सोच(

संतुष्टि का स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
अत्यधिक प्रभावी	42	42%
असरदार	40	40%
कम प्रभावी	18	18%
कुल	100	100%

ऊपर दी गई तालिका से पता चलता है कि %82 स्टूडेंट्स टीचिंग सिस्टम को असरदार या बहुत असरदार मानते हैं, जबकि सिर्फ %18 इसे कम असरदार मानते हैं। इससे पता चलता है कि स्कूल में पढ़ाने का तरीका आम तौर पर ठीक-ठाक है। टीचर शायद सही पढ़ाने के तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं और क्लासरूम में अच्छा इंटरैक्शन बनाए हुए हैं। हालांकि, थोड़ी सी नाराज़गी से पता चलता है कि पढ़ाने के तरीकों में और सुधार की ज़रूरत है, खासकर ICT टूल्स और इंटरैक्टिव लर्निंग तरीकों के इस्तेमाल से।

तालिका :3 स्टूडेंट्स का एकेडमिक अचीवमेंट लेवल

उपलब्धि स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
उच्च	38	38%
मध्यम	44	44%
कम	18	18%
कुल	100	100%

इस तालिका से पता चलता है कि %44 स्टूडेंट्स मीडियम अचीवमेंट कैटेगरी में %38, हाई अचीवमेंट में और %18 लो अचीवमेंट कैटेगरी में आते हैं। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर स्टूडेंट्स एवरेज लेवल पर परफॉर्म करते हैं। हाई अचीवर्स का तुलनात्मक रूप से कम परसेंटेज यह दिखाता है कि पढ़ाई की आदतों और टीचिंग इफेक्टिवनेस दोनों में सुधार की गुंजाइश है। लो कैटेगरी के स्टूडेंट्स को खास ध्यान और रेमेडियल सपोर्ट की ज़रूरत होती है।

तालिका :4 पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध

अध्ययन की आदतों का स्तर	औसत अंक	उपलब्धि स्तर
अच्छा	82	उच्च
औसत	68	मध्यम
गरीब	52	कम

तालिका में पढ़ाई की आदतों और पढ़ाई में कामयाबी के बीच एक मज़बूत पॉज़िटिव रिश्ता साफ़ दिखता है। अच्छी पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स को एवरेज 82 मार्क्स मिले, जबकि एवरेज पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स को 68 मार्क्स मिले, और खराब पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स को सिर्फ 52 मार्क्स मिले। इससे पता चलता है कि बेहतर पढ़ाई की आदतें पढ़ाई में परफॉर्मेंस को काफी बेहतर बनाती हैं। रेगुलर पढ़ाई, सही रिवीजन और डिसिप्लिन में सीखने की आदतें ज़्यादा कामयाबी पाने में मदद करती हैं।

तालिका :5 टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध

शिक्षण प्रणाली रेटिंग	औसत अंक	पेश करने का स्तर
-----------------------	---------	------------------

अत्यधिक प्रभावी	85	उच्च
असरदार	70	मध्यम
कम प्रभावी	55	कम

यह तालिका दिखाता है कि टीचिंग सिस्टम का एकेडमिक अचीवमेंट पर सीधा असर पड़ता है। जिन स्टूडेंट्स ने बहुत असरदार टीचिंग बताई, उन्हें एवरेज 85 मार्क्स मिले, जबकि कम असरदार टीचिंग वालों को 70 मार्क्स मिले, और कम असरदार टीचिंग वालों को 55 मार्क्स मिले। इससे साफ पता चलता है कि बेहतर टीचिंग प्रैक्टिस से एकेडमिक परफॉर्मेंस बेहतर होती है।

तालिका :6 पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच कोरिलेशन

चर	सहसंबंध गुणांक (r)
अध्ययन की आदतें और शैक्षणिक उपलब्धि	0.74

0.74 की कोरिलेशन वैल्यू पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक मजबूत पॉजिटिव रिश्ता दिखाती है। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे पढ़ाई की आदतें बेहतर होती हैं, एकेडमिक परफॉर्मेंस भी काफी बढ़ती है। यह रिश्ता स्टैटिस्टिकली मायने रखता है और यह कन्फर्म करता है कि पढ़ाई का व्यवहार स्टूडेंट की सफलता का एक बड़ा कारण है।

तालिका :7 अध्ययन की आदतों और शिक्षण प्रणाली का संयुक्त प्रभाव

कारकों का संयोजन	अकादमिक प्रदर्शन
अच्छी पढ़ाई की आदतें + असरदार टीचिंग	उच्च
औसत पढ़ाई की आदतें + ठीक-ठाक पढ़ाना	मध्यम
खराब पढ़ाई की आदतें + कमजोर टीचिंग	कम

तालिका से पता चलता है कि पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम का मिला-जुला असर एकेडमिक अचीवमेंट तय करने में अहम भूमिका निभाता है। स्टूडेंट्स सबसे अच्छा तब परफॉर्म करते हैं जब पढ़ाई की आदतें और टीचिंग क्वालिटी दोनों अच्छी हों। इसके उलट, खराब पढ़ाई की आदतों के साथ खराब टीचिंग का नतीजा एकेडमिक परफॉर्मेंस कम होता है। डेटा के ओवरऑल एनालिसिस से पता चलता है कि पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम, दोनों ही एकेडमिक अचीवमेंट पर काफी असर डालते हैं। डिसिप्लिन्ड पढ़ाई की आदतें और असरदार टीचिंग सपोर्ट वाले स्टूडेंट्स एकेडमिकली बेहतर परफॉर्म करते हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स एवरेज कैटेगरी में आते हैं, जो सुधार की गुंजाइश दिखाता है। नतीजों से यह भी पता चलता है कि टीचिंग इफेक्टिवनेस और पढ़ाई की आदतें मिलकर लर्निंग आउटकम पर गहरा असर डालती हैं।

निष्कर्ष

इस स्टडी के आधार पर, यह नतीजा निकाला जा सकता है कि सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट तय करने में पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम दोनों ही अहम भूमिका निभाते हैं। नतीजों से साफ पता चलता है कि जो स्टूडेंट्स रेगुलर, डिसिप्लिन्ड और सिस्टमैटिक पढ़ाई की आदतें बनाए रखते हैं, वे उन स्टूडेंट्स की तुलना में एकेडमिक रूप से बेहतर परफॉर्म करते हैं जिनमें ऐसी आदतें नहीं होतीं। टाइम मैनेजमेंट, रेगुलर रिवीजन, कॉन्सट्रेंशन और असरदार लर्निंग स्ट्रेटेजी जैसी पढ़ाई की आदतें स्टूडेंट्स की समझ और नॉलेज को बनाए रखने में काफी सुधार करती हैं। टीचिंग सिस्टम एकेडमिक परफॉर्मेंस का एक मजबूत प्रेडिक्टर पाया गया है। असरदार टीचिंग मेटड, साफ कम्युनिकेशन, सही क्लासरूम मैनेजमेंट और सपोर्टिव टीचर-स्टूडेंट इंटरैक्शन स्टूडेंट्स के लर्निंग आउटकम में पॉजिटिव योगदान देते हैं। बेहतर टीचिंग प्रैक्टिस के संपर्क में आने वाले स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट ज्यादा होती है। स्टडी आगे यह नतीजा निकालती है कि पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक मजबूत पॉजिटिव रिश्ता है, जो दिखाता है कि पढ़ाई के व्यवहार में सुधार से एकेडमिक रिजल्ट बेहतर होते हैं। इसके अलावा, टीचिंग क्वालिटी सीधे स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंस और मोटिवेशन पर असर डालती है।

संदर्भ

1. अग्रवाल ,जे.सी .(2010) .*एजुकेशनल साइकोलॉजी के एसेंशियल्स* . विकास पब्लिशिंग हाउस.
2. बेस्ट ,जे.डब्ल्यू ,और खान ,जे.वी .(2016) .*शिक्षा में अनुसंधान* . पियर्सन एजुकेशन.
3. चौहान ,एस.एस .(2011) .*एडवांस्ड एजुकेशनल साइकोलॉजी* . विकास पब्लिशिंग हाउस.
4. डेवी ,जे .(1938) .*अनुभव और शिक्षा* . मैकमिलन.
5. गैरेट ,एचई .(2013) *साइकोलॉजी और एजुकेशन में स्टैटिस्टिक्स* . पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स.
6. भारत सरकार ,शिक्षा मंत्रालय .(2022) .*स्कूल शिक्षा पर वार्षिक रिपोर्ट* . भारत सरकार.
7. कोठारी ,सी.आर .(2004) .*रिसर्च मेथोडोलॉजी: मेथड्स एंड टेक्निक्स* . न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स.
8. मंगल ,एस.के .(2015) .*शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी*। PHI लर्निंग।
9. .(2019) .*NCERT सेकेंडरी स्टेज पर लर्निंग आउटकम* . नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग.
10. एनसीईआरटी .(2020) .*एजुकेशनल साइकोलॉजी* . नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग.
11. पियाजे ,जे .(1972) .*बुद्धि का मनोविज्ञान* . रूटलेज.
12. शर्मा ,आर.ए .(2012) .*शैक्षिक अनुसंधान के मूलभूत सिद्धांत* . आर .लाल बुक डिपो.
13. शर्मा ,आर.सी .(2011) .*शिक्षण के आधुनिक तरीके* . धनपत राय प्रकाशन कंपनी.
14. सिंह ,ए.के .(2010) .*व्यवहार विज्ञान में परीक्षण ,माप और अनुसंधान के तरीके*। भारती भवन।
15. सिंह ,वाई.के .(2009) .*एजुकेशनल रिसर्च*APH . पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन.
16. स्किनर ,बी.एफ .(1953) .*विज्ञान और मानव व्यवहार* . फ्री प्रेस.
17. .(2021) .*UNESCO ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट*UNESCO . पब्लिशिंग.
18. वायगोत्स्की ,एल.एस .(1978) .*समाज में मन* . हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.
19. वूलफोक ,ए .(2014) .*एजुकेशनल साइकोलॉजी* . पियर्सन.
20. जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड प्रैक्टिस .(nd) .*एजुकेशनल रिसर्च आर्टिकल* .
com:journalwebsite.www//:https
21. इंडियन एजुकेशनल रिव्यू NCERT .(nd) .जर्नल ऑफ़ एजुकेशन रिसर्चin.nic.ncert.www//:https .
22. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल डेवलपमेंट .(nd) .एल्सेवियर जर्नल्सcom.elsevier-journals.www//:https .
23. एजुकेशनल रिव्यू .(nd) .टेलर एंड फ्रांसिसcom.tandfonline.www//:https .
24. जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल साइकोलॉजी .(nd) .अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशनorg.apa.www//:https .
25. एजुकेशन और टीचिंग में रिसर्च स्टडीज़।) अलग-अलग मुद्दे।) स्टूडेंट अचीवमेंट और टीचिंग इफेक्टिवनेस पर एकेडमिक जर्नल्स।